Patrika (Indore), 21st November 2020, Page-12 (Front Page-2)

लैब में प्रैक्टिकल बंद होने से पहले ही तैयार हो गई थी कोरोना वैक्सीन

पुणे में चल रहा आइआइटी में बनी वैक्सीन का ट्रायल, पांच रिसर्च स्कॉलर पॉजिटिव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. कोरोना से लड़ने के लिए दुनिया के कई देशों में वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर ने भी इसके लिए अपने संसाधन और अनुभव का इस्तेमाल किया। आइआइटी में बनी वैक्सीन का क्लीनिकल ट्रायल पुणे की एक एजेंसी कर रही है। मालूम हो, वैक्सीन बनाने वाले आइआइटी के ही कई छात्र, प्रोफेसर और कर्मचारी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। फिलहाल यहां 5 रिसर्च स्कॉलर पॉजिटिव होने से लैब में प्रैक्टिकल बंद कर दिए गए। अच्छी बात यह है, वैक्सीन ट्रायल के लिए भेजे जाने के बाद लैब बंद हुई।

आइआइटी के बायोसाइंस एंड बायोमेडिकल साइंस के प्रो. देबाशीष नायक के निर्देशन में इस वैक्सीन पर काम किया गया। किसी भी नए वैक्सीन का ट्रायल पहले जानवरों पर किया जाता है। आइआइटी के सूत्रों के अनुसार इस वैक्सीन के शुरुआती परिणाम सकारात्मक मिले हैं। जल्द ही इसकी फाइनल रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। मालूम हो, आइआइटी में बीटेक के विद्यार्थियों की कक्षाएं ऑनलाइन ही लगाई जा रही हैं। सिर्फ रिसर्च स्कॉलर को ही पढ़ाई और प्रैक्टिकल के लिए बुलाया था। लेकिन, बीते दिनों 5 रिसर्च स्कॉलर कोरोना की चपेट में आ गए। इससे पहले आइआइटी के एक आला अधिकारी सहित कई रिसर्च स्कॉलर, फैकल्टी और कर्मचारी भी कोविड पॉजिटिव मिल चुके हैं। एक बार फिर आइआइटी परिसर में कोरोना फैलने के बाद सभी लैब में प्रैक्टिकल बंद कर दिए गए। आइआइटी के डॉ. सुनील कुमार का कहना है, जो रिसर्च स्कॉलर पॉजिटिव मिले उनमें चार संस्थान में हैं और एक अपने घर पर रह रहा है। सभी की स्थिति सामान्य है। सुरक्षा के मद्देनजर अभी प्रैक्टिकल लैब बंद कर दी गई हैं। मैस से लेकर रहवासी परिसर में भी सोशल डिस्टेंस का ध्यान रखा जा रहा है।